IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 1, January 2026
Impact Factor: 7.67

ग्रीन फाइनेंस और सस्टेनेबल इन्वेस्टमेंट का भारतीय शेयर बाजार पर प्रभाव

डॉ. शिवांशु पांडेय

अतिथि विद्वान - वाणिज्य विभाग

शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय रीवा मध्य प्रदेश

सारांश(abstract)

यह शोध पत्र भारत में ग्रीन फाइनेंस (हरित वित्त) और सस्टेनेबल इन्वेस्टमेंट (सतत निवेश) के भारतीय शेयर बाजार (NSE/BSE) **पर प्रभाव का विश्लेषण करता है।** 2021-2025 **के दौरान भारत का सस्टेनेबल डेब्ट मार्केट दिसंबर** 2024 **तक** USD 55.9 **बिलियन तक पहुंच गया, जो** 2021 **से** 186% **की वृद्धि दर्शाता है। ग्रीन बॉन्ड्स इसमें** 83% **हिस्सा रखते हैं।** Nifty 100 ESG **इंडेक्स जैसे सस्टेनेबल इंडेक्स ने** Nifty 100 **और** Nifty 50 **से बेहतर या समान रिटर्न दिए** (5 **वर्षीय वार्षिक रिटर्न** 15.2% **बनाम** 14.5%) **तथा कम जोखिम के साथ रेजिलिएंस दिखाया। शोध विधि में सेकेंडरी डेटा** (NSE **इंडेक्स**, SEBI/RBI **रिपोर्ट्स**, Climate Bonds Initiative) **का उपयोग किया गया। निष्कर्ष यह है कि ग्रीन फाइनेंस ने रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर के शेयरों को बूस्ट दिया**, ESG **कंपनियों का फाइनेंशियल परफॉर्मेंस बेहतर हुआ तथा शेयर बाजार में लंबी अवधि में पॉजिटिव प्रभाव पड़ा। भारत के नेट-जीरो** 2070 **लक्ष्य को पूरा करने के लिए यह ट्रेंड भविष्य में और मजबूत होगा।**

कीवर्ड्स: (keywords)

ग्रीन फाइनेंस, **सस्टेनेबल इन्वेस्टमेंट**, ESG **इंडेक्स**, **भारतीय शेयर बाजार**, Nifty 100 ESG, **ग्रीन बॉन्ड्स**, SEBI BRSR, **सस्टेनेबल डेवलपमेंट।**

परिचय(introduction)

आज की दुनिया में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय गिरावट और सामाजिक जिम्मेदारी के कारण ग्रीन फाइनेंस और सस्टेनेबल इन्वेस्टमेंट (ESG - Environment, Social, Governance) **तेजी से महत्वपूर्ण हो गए हैं। भारत ने** 2070 **तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है तथा** COP26 **में** 500 GW **नॉन-फॉसिल**

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 6, Issue 1, January 2026
Impact Factor: 7.67

एनर्जी का वादा किया। ग्रीन फाइनेंस में ग्रीन बॉन्ड्स, ESG फंड्स और सस्टेनेबल लोन शामिल हैं जो पर्यावरण अनुकूल प्रोजेक्ट्स (सोलर, विंड, इलेक्ट्रिक वाहन) को फंडिंग देते हैं। भारतीय शेयर बाजार (NSE/BSE) में यह ट्रेंड Nifty 100 ESG, Nifty 100 Enhanced ESG जैसे इंडेक्स के रूप में दिखाई दे रहा है। SEBI ने BRSR (Business Responsibility and Sustainability Reporting) अनिवार्य किया तथा RBI ने ग्रीन डिपॉजिट फ्रेमवर्क लॉन्च किया।आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय संकट और सामाजिक असमानता जैसी चुनौतियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। इन चुनौतियों के बीच ग्रीन फाइनेंस (हरित वित्त) और सस्टेनेबल इन्वेस्टमेंट (सतत निवेश) ने वित्तीय क्षेत्र में एक क्रांतिकारी भूमिका निभानी शुरू कर दी है। ग्रीन फाइनेंस पर्यावरण-अनुकूल परियोजनाओं जैसे नवीकरणीय ऊर्जा (सोलर, विंड), ऊर्जा दक्षता, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर और जलवायु अनुकूलन को फंडिंग प्रदान करता है, जबकि सस्टेनेबल इन्वेस्टमेंट ESG (Environment, Social, Governance) मानदंडों पर आधारित निवेश को बढ़ावा देता है। ये दोनों ही निवेशकों को न केवल आर्थिक रिटर्न प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी में भी योगदान देते हैं।

भारत, दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के नाते, इन वैश्विक परिवर्तनों से अछूता नहीं रह सकता। भारत ने COP26 में 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है, साथ ही 2030 तक 500 GW नॉन-फॉसिल ऊर्जा क्षमता हासिल करने का वादा किया है। 2025 तक भारत ने 50% से अधिक बिजली क्षमता नॉन-फॉसिल स्रोतों से हासिल कर ली है, जो अपने समय से पहले लक्ष्य पूरा करने का प्रमाण है। इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भारी पूंजी की आवश्यकता है—सरकार के अनुमान के अनुसार, 2030 तक NDC लक्ष्यों के लिए वार्षिक रूप से लगभग USD 170 बिलियन (INR 11 ट्रिलियन) की जरूरत है, जिसमें मिटिगेशन और एडाप्टेशन दोनों शामिल हैं। भारत में ग्रीन फाइनेंस का बाजार तेजी से विकसित हो रहा है। Climate Bonds Initiative की रिपोर्ट के अनुसार, दिसंबर 2024 तक भारत का सस्टेनेबल डेब्ट मार्केट (GSS+ - Green, Social, Sustainability, Sustainability-linked) USD 55.9 बिलियन तक पहुंच गया, जो 2021 से 186% की वृद्धि दर्शाता है। इसमें ग्रीन बॉन्ड्स का हिस्सा 80% से अधिक है, और अधिकांश फंडिंग रिन्यूएबल एनर्जी तथा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पर केंद्रित रही है। 2025-2026 में यह ट्रेंड और मजबूत हुआ है, जिसमें सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड्स, PLI स्कीम्स और अर्बन सस्टेनेबिलिटी प्रोजेक्ट्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। SEBI ने BRSR (Business Responsibility and Sustainability Reporting) को टॉप 1000 कंपनियों के लिए अनिवार्य किया, जिससे ESG

IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429 Volume 6, Issue 1, January 2026 Impact Factor: 7.67

डिस्क्लोजर में पारदर्शिता बढ़ी है। RBI ने ग्रीन डिपॉजिट फ्रेमवर्क और अन्य उपायों से बैंकिंग सेक्टर को ग्रीन फाइनेंस की ओर प्रोत्साहित किया है।

शोध विधि

यह शोध वर्णनात्मक तथा विश्लेषणात्मक प्रकृति का है। प्राथमिक डेटा का उपयोग नहीं किया गया; पूर्णतः सेकेंडरी डेटा पर आधारित।

डेटा स्रोत:

NSE इंडेक्स डेटा (Nifty 100 ESG, Nifty 100, Nifty 50) – 2015 से 2025 तक दैनिक/वार्षिक रिटर्न।

SEBI ग्रीन बॉन्ड्स रिपोर्ट्स तथा RBI रिपोर्ट्स।

Climate Bonds Initiative तथा Climate Policy Initiative (CPI) की रिपोर्ट्स (2021-2025)।

प्रकाशित रिसर्च पेपर्स (ResearchGate, Emerald, Atlantis Press)।

समयावधि: 2020-2025 (कोविड के बाद का फोकस)।

विश्लेषण उपकरण:

तुलनात्मक रिटर्न विश्लेषण (Annualized Return, Total Return)।

रिस्क-एडजस्टेड मेट्रिक्स (Sharpe Ratio, Treynor Ratio, Jensen's Alpha)।

CAPM तथा Fama-French मल्टी-फैक्टर मॉडल से ESG पोर्टफोलियो का अल्फा चेक।

वोलेटिलिटी (Standard Deviation) तथा COVID-19 जैसी क्राइसिस में रेजिलिएंस टेस्ट।

डेटा को Microsoft Excel तथा सांख्यिकीय टूल्स से प्रोसेस किया गया। उदाहरण: Nifty 100 ESG का कुल रिटर्न कुछ अध्ययनों में 26.74% रहा जबकि Nifty 100 का 20.045%। ESG इंडेक्स ने कम वोलेटिलिटी तथा बेहतर Sharpe Ratio दिखाया। ग्रीन फाइनेंस फ्लो FY 2021/22 में INR 3,712 बिलियन (मिटिगेशन) पहुंचा, जिसमें क्लीन एनर्जी का 47% हिस्सा था।

निष्कर्ष(conclusion)

शोध से स्पष्ट है कि ग्रीन फाइनेंस और सस्टेनेबल इन्वेस्टमेंट का भारतीय शेयर बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। ESG इंडेक्स ने ट्रेडिशनल इंडेक्स से बेहतर या समान रिटर्न दिए, कम जोखिम तथा क्राइसिस में अधिक रेजिलिएंस दिखाई। सस्टेनेबल डेब्ट मार्केट की 186% वृद्धि ने रिन्यूएबल सेक्टर के शेयरों को बूस्ट दिया तथा निवेशकों में विश्वास बढ़ाया। हालांकि चुनौतियां जैसे ग्रीनवॉशिंग, टैक्सोनॉमी की कमी तथा जागरूकता की कमी बाकी हैं। SEBI-RBI की नीतियां (BRSR Core, ग्रीन डिपॉजिट) आगे बढ़

रही हैं। सिफारिश: निवेशक ESG फंड्स को प्राथमिकता दें, कंपनियां BRSR डिस्क्लोजर मजबूत करें तथा सरकार टैक्स इनसेंटिव बढ़ाए। भविष्य में 2030 तक USD 1.3 ट्रिलियन क्लाइमेट इन्वेस्टमेंट की जरूरत को पूरा करने में ग्रीन फाइनेंस महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह शेयर बाजार को स्थिर तथा सस्टेनेबल बनाएगा।

संदर्भ (Reference)

[1]. Climate Bonds Initiative (2025). India's Sustainable Debt Market Tops USD 55.9 Billion. https://www.climatebonds.net
[2]. Climate Policy Initiative (2024). Landscape of Green Finance in India 2024. https://www.climatepolicyinitiative.org
[3]. NSE India. NIFTY100 ESG Index Performance Data. https://www.niftyindices.com
[4]. SEBI (2025). ESG Debt Securities & Green Bonds Issuances. https://www.sebi.gov.in/statistics/greenbonds.html
[5]. RBI Sovereign Green Bonds Reports (2023-2025).
[6]. Emerald Publishing (2025). Exploring the Financial Performance of ESG Investing in India.
[7]. ResearchGate (2025). Green Gains: Unravelling the Performance Dynamics of ESG Indices Against Nifty 50.
[8]. Atlantis Press (2024). Risk and Return Analysis of ESG Funds vs Nifty.
[9]. IBEF (2025). Green Finance Trends Shaping India's Sustainable Growth.
[10]. ScienceDirect (2025). Green Finance and Investment in India: Unveiling Enablers.